रेडियो समाचार-लेखन (M.A.F)

आज का युग सूचना और प्रौद्योगिकी का युग है। प्रयोजनमूलक हिन्दी संसार में प्रतिक्षण नयी से नयी घटनाएँ होती रहती हैं। समाचार पत्र उसे 24 घन्टे के बाद प्रकाशित करते हैं परन्तु रेडियो के माध्यम से उनकी जानकारी तुरन्त श्रोताओं को मिल जाती है। रेडियो के समाचारों के लेखन के लिए अधिक कौशलता की आवश्यकता होती है। इसके समाचार क्योंकि आँख के लिए न होकर कान के लिए लिखे जाते हैं। अतः रेडियो समाचार लेखन के लिए निम्नलिखित तथ्यों का ध्यान रखना चाहिए — क्योंकि यह श्रव्य माध्यम है

(1) सरल भाषा :- रेडियो के लिए लेखन करते समय सरल भाषा का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि इसके श्रोता शिक्षित - अशिक्षित सभी प्रकार के होते हैं। शब्द ऐसे लिखे जाने चाहिए जिन्हें सुनते ही श्रोता समझ जाए। समाचार पत्रों को पढ़ा जाता है। प्रत्येक व्यक्ति के पढ़ने की गति भिन्न होती है। पढ़ी हुई सामग्री के बारे में सोचने का समय पाठक के पास होता है। संदेह उत्पन्न होने पर वह उस वाक्य को पुनः पढ़ सकता है परन्तु रेडियो के मामले में ऐसा नहीं है। यहाँ पर सुने गए शब्द की पुनरावृत्ति नहीं हो सकती। कठिन शब्द का अर्थ पूछने का समय श्रोता के पास नहीं होता।

(2) छोटे वाक्य — रेडियो समाचार लेखन करते हुए छोटे वाक्यों का प्रयोग करना चाहिए। छोटे वाक्यों को सरलता से बोला भी जा सकता है और श्रोता उन्हें शीघ्रता

से समझ लेता है।

3. शब्द चुनाव :-

रेडियो में शब्द का चुनाव अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होता है। प्रत्येक शब्द सूचना अथवा छवि प्रस्तुत करने में समर्थ हो। ऐसे शब्द चुने जाएँ जो श्रोता को बाँधने का कार्य करें।

4. वाक्य सूचना :-

एक वाक्य में एक ही प्रकार की सूचना देनी चाहिए। एक वाक्य में अनेक सूचनाओं को ठूँस देना समाचार वाचक और श्रोता दोनों के लिए कष्टकारी होता है।

5. द्विअर्थी शब्दों का निषेध :- द्विअर्थी शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ऐसे शब्दों के गलत अर्थ ले लेने से अर्थ का अनर्थ हो सकता है। इसलिए द्विअर्थी शब्दों से बचना चाहिए।

6. संयुक्ताक्षरों का निषेध।

रेडियो समाचार लेखन करते समय संयुक्ताक्षरों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। क्योंकि ऐसे शब्दों के प्रयोग करने से बोलने और सुनने में कठिनाई उत्पन्न होती है। इनके स्थान पर सरल शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

7. संख्या शब्दों में —

संख्या शब्दों में लिखनी चाहिए क्योंकि अंकों में लिखी हुई संख्या भ्रम उत्पन्न कर सकती है।

Scanned with CamScanner

8. पूर्णांक का प्रयोग –

पूर्णांक का प्रयोग करना चाहिए। 981 के स्थान पर लगभग एक हजार कहना अधिक उचित है।

9. छोटे समाचार :–

समाचार छोटे होने चाहिए। लम्बे समाचार नीरसता और उकताहट पैदा करते हैं।

इस प्रकार हम इन तथ्यों को ध्यान में रखकर एक सुगठित रेडियो समाचार का लेखन कर सकते हैं।

रेडियो समाचार प्रारूप –

रेडियो पत्रकारिता, समाचार पत्र पत्रकारिता से भिन्न है। एक में समय-सीमा का महत्व है तो दूसरे में उपलब्ध स्थान का। रेडियो समाचार का प्रारूप उल्टे पिरामिड के समान होता है। दस मिनट में प्रसारित समाचार बुलेटिन में अधिक से अधिक समाचार देना श्रोताओं की स्मरण शक्ति को चुनौती देना है। ~~इस संबंध में~~

Scanned with CamScanner

बुलेटिन के समय और शब्दों की सीमा इस प्रकार है —

प्रारम्भ	10 सैकेन्ड	10 से 15 शब्द
समाचार शीर्षक	50 सैकेन्ड	100 से 110 शब्द
समाचारों का विवरण	8 मिनट 20 सैकेन्ड	1000 से 1150 शब्द
शीर्षक पुनरावृत्ति	30 सैकेन्ड	80 से 90 शब्द
समापन	10 सैकेन्ड	10 से 15 शब्द

इस प्रकार 10 मिनट के समाचार बुलेटिन में लगभग 1200 से 1300 शब्दों में समाचारों का प्रसारण होता है समाचार पत्रों में ~~समाचार पत्रों में~~ समाचार लिखते हुए सबसे पहले लीड या इण्ट्रो तैयार किया जाता है इसके बाद अन्य विवरण विस्तार से दिए जाते है परन्तु रेडियो के लिए लिखे गए समाचार में 10-15 शब्दों का प्रयोग होता है इसी शब्द सीमा में उस समाचार के क्या, कहाँ, कब, क्यों और कैसे के उत्तर संक्षेप में देने होते है रेडियो के लिए समाचार पहले हीरे की भाँति होते है पहले समाचार लेखन में मुख्य विवरण, विस्तृत विवरण तथा कम महत्व का विवरण होता है। रेडियो के कम महत्व के समाचार के लिए कोई स्थान नहीं होता। समाचार बुलेटिन में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय समाचारों के महत्व के आधार पर क्रम से लगाया जाता है।

निष्कर्ष : अतः ~~समाचार~~ रेडियो समाचार लेखन

Scanned with CamScanner

कठिन कार्य है। क्योंकि यह कान के
लिए लिखा जाता है यह एक सशक्त
श्रव्य माध्यम है। इसमें सरल भाषा, छोटे वाक्य
को अपनाकर लिखा जाता है साथ ही संयुक्ताक्षरों
और अंकों की संख्या से निषेध किया जाता है।
रेडियो समाचार स्वरूप में कम महत्व वाले समाचार
को महत्व नहीं दिया जाता है। आज के युग में
रेडियो का महत्व दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

Scanned with CamScanner